सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 161 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 18 जुलाई, 2026
मूल्य ₹ 3/-

अज्ञानी होना उतनी शर्म की बात नहीं है जितना कि सीखने की इच्छा ना रखना।
बेंजामिन फ्रैंकलिन

सीरीज का फाइनल मुकाबला कल, रोहित... 7 | महिला आरक्षण और परिसीमन बिल... 3 | बीजेपी सरकार ने इंटरनेशनल लेवल... 2

कॉकरोच इज बैक, दीपके ने संभाली कमान

सोनम को अस्पताल अब अभिजीत देंगे सरकार को चुनौती

संसद की ओर बढ़ रही है नई सियासी बगावत!

» सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने पर विपक्ष आगबबूला

» 20 दिन का अनशन अब अस्पताल से होगा आंदोलन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर शुरू हुआ अनशन अब सिर्फ एक व्यक्ति की सेहत का सवाल नहीं रह गया है। यह उस राजनीतिक बहस का केंद्र बन चुका है जिसमें एक तरफ सरकार कानून अदालत और मेडिकल सलाह का हवाला दे रही है तो दूसरी तरफ आंदोलनकारी इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर प्रहार बता रहे हैं। सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने की कार्रवाई ने आंदोलन की आग में घी का काम किया है। सोनम वांगचुक के अस्पताल में भर्ती होने के बाद आंदोलन की कमान सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने संभाली हैं और अनिश्चितकालीन अनशन का ऐलान कर दिया है।

सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि जंतर मंतर पर आगे क्या होगा। असली सवाल यह है कि क्या यह टकराव संसद की दहलीज तक पहुंचेगा। इतिहास गवाह है कि अनेको बार आंदोलनों की सबसे बड़ी ताकत उनका नेतृत्व नहीं बल्कि वह क्षण होता है जब सत्ता और सड़क आमने सामने दिखाई देते हैं। सरकार का कहना है कि हाई कोर्ट के आदेश मेडिकल सलाह और बिगड़ती सेहत को देखते हुए सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाया गया। दूसरी ओर आंदोलनकारी आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध हटाया गया और प्रदर्शनकारियों के साथ बल प्रयोग हुआ। दोनों पक्ष अपनी-अपनी कहानी सुना रहे हैं लेकिन देश जिस तस्वीर को देख रहा है उसमें पुलिस अस्पताल अनशन संसद मार्च और बढ़ती राजनीतिक बयानबाजी एक साथ मौजूद हैं। अब इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा राजनीतिक किरदार शायद सोनम वांगचुक नहीं बल्कि वह आंदोलन बन सकता है जो उनके बाद भी जारी रखने की घोषणा की गई है। दीपके ने साफ कर दिया है कि 20को संसद मार्च हर हाल में होगा और अनशन भी जारी रहेगा। यानी संघर्ष का केंद्र अब एक व्यक्ति से हटकर संगठन और रणनीति की ओर बढ़ रहा है। यहीं से राजनीति का अगला अध्याय शुरू होता है। यदि आंदोलन शांतिपूर्ण रहते हुए भी लंबा खिंचता है तो सरकार पर संवाद का दबाव बढ़ सकता है। यदि टकराव बढ़ता है तो विपक्ष को नया राजनीतिक मुद्दा मिल सकता है।

संबंधित खबरें अंदर के पेजों पर भी

सत्ता का अहंकार लंबे समय तक नहीं चलता : संजय सिंह

सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने का विरोध करते हुए आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने एक्स पर लिखा, ये क्या गुंडागर्दी चल रही है? प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ये सत्ता का अहंकार लंबे समय तक नहीं चलता। जिस युवा पर लट्ठ चला रहे हो, यही आपका तख्त उखाड़ेगा। एक शख्स सोनम वांगचुक जो पिछले 21 दिनों से आमरण अनशन पर है, उनकी मांगें सुनने के बजाय उसको जबरन गिरफ्तार कर हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया गया।

भाजपा वाले देश के लिए सफेद चादर का कफन लेकर आए हैं : डिंपल यादव

समाजवादी पार्टी से सांसद डिंपल यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, सोनम वांगचुक को जबरन हटाना सिर्फ एक कार्रवाई नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान को कुचलना है। भाजपा सरकार को अब शांतिपूर्ण विरोध भी बर्दाश्त नहीं। यह तानाशाही है। डिंपल यादव ने दूसरे पोस्ट में कहा, भाजपा वाले देश के लिए सफेद चादर का कफन लेकर आए हैं। जब शांतिपूर्ण आवाजों को दबाया जाता है तो संविधान और लोकतंत्र भी आहत होते हैं। सोनम वांगचुक जैसे लोगों की आवाज दबाना देश की आत्मा को दबाना है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने सोनम वांगचुक जंतर-मंतर से हटाए जाने का विरोध करते हुए एक्स पर पोस्ट किया, ये कौन सा तरीका है शांतिपूर्ण प्रदर्शन खत्म करने का। सफेद कपड़ा लाकर 20 दिनों की हड़ताल के बाद सोनम वांगचुक को अस्पताल उठा ले गई पुलिस।

आंदोलन खत्म नहीं होगा

20 जुलाई का संसद मार्च बनेगा सरकार की नई परीक्षा?

सोनम वांगचुक को धरना स्थल से पुलिस द्वारा जबर्दस्ती हटाने के बाद काकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने प्रदर्शन स्थल से लोगों को संबोधित करते हुए कहा है कि मैं आज से अपना अनशन शुरू कर रहा हूं। 20 जुलाई को हमारा मार्च भी होगा और मेरा अनशन जारी रहेगा। ये लोग सोचते हैं कि सोनम सर को अंदर ले जाकर और यहां से उठाकर वे प्रोटेस्ट खत्म कर देंगे आंदोलन खत्म नहीं होगा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अभिजीत दीपके ने कहा कि सोनम सर को घसीटकर ले गया गया है और गाली गलौज करने और यहां से ले जाने की जो कायरतापूर्ण हरकत की गई है उससे यह आंदोलन खत्म नहीं होगा। यह प्रोटेस्ट जारी रहेगा। हम यहीं रहेंगे और 20 तारीख को यहीं से पार्लियामेंट तक मार्च शुरू होगा। पुलिसवालों ने गुंडों वाली हरकत की है। दीपके ने लोगों से अपील की कि जो लोग दिल्ली आना चाहते हैं वह आ जाएं। हम यहीं बैठे रहेंगे। अभिजीत दीपके ने आगे कहा कि दिल्ली पुलिस ने मुझे भी पीटा और जंतर मंतर जाने से रोका। मुझे पीटा गया सड़क पर घसीटा गया और कहा कि देखते हैं तुम जंतर मंतर कैसे जाते हो। यहां कई विधायक और सांसद हैं जिन्हें भी गेट पर रोक दिया गया है और अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है।

शांतिपूर्ण अनशन करना भी अब आसान नहीं रहा : पुष्पेंद्र सरोज

दिल्ली पुलिस द्वारा सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल ले जाए जाने पर समाजवादी पार्टी के सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने कहा, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। एक सांसद और युवा होने के नाते मैं पहले भी यहां आया था और लोगों को बहुत उम्मीदें थीं। जो व्यक्ति 20 दिनों से भूख हड़ताल पर है, उसके समर्थन में बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे, लेकिन सरकार उनकी बात नहीं सुन रही है। आज उन्हें चादर से ढका गया, बैरिकेड्स हटाए गए और सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। वहीं, पुष्पेंद्र सरोज ने एक्स पर लिखा, क्या लोकतंत्र में अपनी मांगों के लिए शांतिपूर्ण अनशन करना भी अब आसान नहीं रहा? जंतर-मंतर पर 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाया गया। सवाल सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि यह है कि क्या सरकार संवाद का रास्ता चुनेगी या विरोध की आवाज को अनसुना करती रहेगी?

जंतर मंतर पर लोगों को पीट रही है पुलिस : दिपके

अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि दिल्ली पुलिस जंतर मंतर पर सख्ती कर रही है। लोगों को पीट रही है और सोनम सर को जबरदस्ती ले जा रही है। एक दूसरी पोस्ट में वह लिखते हैं कि दिल्ली पुलिस ने मुझे पीटा है और हिरासत में रखा है। कॉकरोच इज बैक नाम के एक्स हैंडल से लिखा गया कि सीजेपी के फाउंडर अभिजीत दीपके का वीडियो मैसेज जब उन्हें पुलिस ने छोड़ा जब पुलिस ने सोनम वांगचुक को जंतर मंतर से किडनैप कर लिया था। पुलिस ने उन्हें पीटा है। सीजेपी के प्रोटेस्ट करने वालों पर जंतर मंतर पर बुरी तरह लाठीचार्ज किया गया है।

शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार केवल सत्ता की सुविधा तक ही सीमित रह गया : चंद्रशेखर

भीम आर्मी के प्रमुख और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने एक्स पर लिखा, लोकतंत्र एक बार फिर शर्मसार! दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 21 दिनों से शांतिपूर्ण अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक को सादे कपड़ों में पहुंचे पुलिसकर्मियों द्वारा जबरन अस्पताल ले जाना तथा उनके साथियों के साथ मारपीट कर उन्हें हिरासत में लेना अत्यंत निंदनीय और लोकतांत्रिक मूल्यों पर सीधा प्रहार है। सांसद ने आगे कहा, इससे पहले वन रैंक वन पेंशन की मांग को लेकर महीनों तक धरने पर बैठे पूर्व सैनिकों के साथ भी यही हुआ। देश का गौरव बढ़ाने वाली महिला पहलवानों के शांतिपूर्ण आंदोलन को भी इसी तरह बलपूर्वक हटाया गया। अब सोनम वांगचुक जी के सत्याग्रह के साथ भी वही व्यवहार किया जा रहा है। क्या शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार केवल सत्ता की सुविधा तक ही सीमित रह गया? हम प्रकृति से प्रार्थना करते हैं कि सोनम वांगचुक को उत्तम स्वास्थ्य, शक्ति और दीर्घायु प्रदान करे।

भाजपा सरकार ने इंटरनेशनल लेवल पर देश की डेमोक्रेटिक इमेज को धूमिल किया : अखिलेश

» बीजेपी सरकार पर सपा प्रमुख का तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के जंतर-मंतर पर 21 दिन से भूख हड़ताल कर रहे सोनम वांगचुक को शनिवार (18 जुलाई) को प्रदर्शन स्थल हटाकर अस्पताल शिफ्ट किया गया है। इसपर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार और दिल्ली पुलिस पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, हमारे देश की जनता व समस्त विश्व इस समय बीजेपी सरकार को संदेह और सवाल भरी संदिग्ध नजर से देख रहा है। दमनकारी राजनीति करनेवाली बीजेपी सरकार की इस अवांछनीय कार्रवाई ने इंटरनेशनल लेवल पर हमारे देश की मानवीय और डेमोक्रेटिक इमेज को बेहद धूमिल और खंडित करने का काम किया है।

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा- सोनम वांगचुक को 'बल-प्रयोग' करके, जबरदस्ती उनके आमरण अनशन स्थल से उठाकर ले जाना अत्यंत निंदनीय समाचार है। आज सुबह घटी ये घटना थोड़ी ही देर में पूरे देश और संपूर्ण विश्व में फैल चुकी है। सारी दुनिया और देशभर में सोनम वांगचुक को लेकर गहरी चिंता है और बीजेपी सरकार के खिलाफ आक्रोश भी।

दिल्ली पुलिस पर भी साधा निशाना

दिल्ली पुलिस पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा, जो लोग सादी वर्दी में इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए धोखे से अचानक घुसे थे, उनकी पहचान सार्वजनिक की जाए। ये हमारी पुरजोर मांग है कि सोनम वांगचुक की चिकित्सा 'न्यायिक निगरानी' में हो क्योंकि सोनम वांगचुक का जीवन मानवता, पर्यावरण-संरक्षण, लोकतांत्रिक मूल्यों, युवा ऊर्जा की प्रेरणा, साइंस और इनोवेशन के लिए अनमोल है।

बीजेपी की नकारात्मक विचारधारा ही 'विवाद' की है, संवाद की नहीं

उन्होंने आगे लिखा, बीजेपी ने न कभी महात्मा गांधी में विश्वास किया, न कभी उनके गांधीवादी तौर-तरीकों में विश्वास किया। बीजेपी की नकारात्मक विचारधारा ही 'विवाद' की है, संवाद की नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी निराशा का पर्याय बन चुकी है। बीजेपी सरकार नहीं, अहंकार है! सपा चीफ ने आगे लिखा, बीजेपी की सोच दरारवादी है, इसीलिए जहां भी एकता, सौहार्द और एकजुटता होती है, बीजेपी डरकर प्रतिक्रियावादी बनकर आंदोलनों को तितर-बितर कर देती है लेकिन बीजेपी भूल गई है कि आज की नई पीढ़ी 'डिजिटल यूनिटी' के माध्यम से वैचारिक क्रांति लाने में सक्षम है. ऐसा हुआ है, हो रहा है और होगा भी।

नोटों की छपाई का भी निजीकरण करने की कोशिश कर रही है भाजपा सरकार

अखिलेश यादव ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी एक निविदा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या भ्रष्ट भाजपा राज में अब नोटों का भी निजीकरण कर दिया जाएगा। भारतीयनौसेना जानकारी सपा प्रमुख ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता ने कभी यह नहीं सोचा था कि कमीशनखोरी का मॉडल इस हद तक गिर जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब देश की मुद्रा ही आत्मनिर्भर नहीं होगी, तो फिर अर्थव्यवस्था और देश के आत्मनिर्भर होने का दावा कैसे किया जा सकता है। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या अब सरकार पूरी तरह आउटसोर्सिंग के दम पर चलेगी। अखिलेश यादव ने निविदा प्रक्रिया पर संदेह जताते हुए कहा कि इतने महत्वपूर्ण और संवेदनशील कार्य के लिए छोटा और कंजूसी भरा टेंडर निकालना किसी गलत मंशा का संकेत हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा लगता है जैसे औपचारिकता पूरी करने के लिए यह सब किया जा रहा है और इसकी सेटिंग पहले ही हो चुकी है। उनके अनुसार, यह भाजपा सरकार नहीं बल्कि मुनाफाखोरों की एक भागीदारी की तरह काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि सपा अध्यक्ष ने जिस निविदा को साझा किया है, उसे भारतीय रिजर्व बैंक नोट मुद्रण प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी किया गया है।

राम मंदिर चंदा चोरी से ध्यान हटाने के लिए जौहर विवि तोड़ने का आदेश दिया गया : अजय राय

» बोले यूपी कांग्रेस अध्यक्ष- आजम की गलती की सजा विश्वविद्यालय को न दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। माल एवेन्यू स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता करके कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर चंदा चोरी से ध्यान हटाने के लिए जौहर विवि के भवन तोड़ने का आदेश दिया गया है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय जी पूर्व मंत्री ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता में कहा कि मौलाना मो0 अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर को तोड़ने का आदेश श्री राम जन्मभूमि मंदिर में हुई चंदा चोरी, चढ़ावे की डकैती से ध्यान हटाने के लिए किया गया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रेसवार्ता में रामपुर विकास प्राधिकरण के दस्तावेज दिखाते हुए कहा कि सक्षम अधिकारी द्वारा दिनांक 15 जुलाई 26 को पूर्वान्ह 11 बजे सुनवाई की जाती है और उसी दिन अपरान्ह 4 बजे मौलाना मो0 अली जौहर विश्वविद्यालय के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण का आदेश पारित किया जाता है, यह आश्चर्यजनक है और इससे सरकार की मंशा साफ जाहिर होती है। श्री राय ने कहा कि रामपुर के सिंघनखेड़ा गांव में मौलाना मो. अली जौहर विश्वविद्यालय मो आजम खान ने वर्ष 2005 में बनवाया उस समय यह गांव रामपुर विकास प्राधिकरण में नहीं था, वर्ष 24 में यह गांव रामपुर विकास प्राधिकरण में समाहित हुआ।

भाजपा निर्माण नहीं बल्कि विध्वंश की पार्टी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा निर्माण नहीं बल्कि विध्वंश की पार्टी है। शिक्षा के मंदिर को गिराने का काम कर रही है। लाखों स्कूलों को बंद कर दिया। 53-54 इंजीनियरिंग कालेज इस वर्ष बंद कर दिए गए। जो मेडिकल कालेज बनाया भी तो उसमें न तो पैरामेडिकल स्टाफ है और डाक्टर हैं। सिर्फ गुजरात की निर्माण कंपनी ने निर्माण के नाम पर पैसा कमाया और वह भाग गई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जहां कांग्रेस सरकार में विश्वविद्यालय, एमबीए और इंजीनियरिंग के नये नये स्कूल खुलते जा रहे थे भाजपा सरकार में डेढ़ लाख से ज्यादा सरकारी स्कूल बंद और आये दिन एमबीए और इंजीनियरिंग कालेज बंद होते जा रहे। उन्होंने कहा कि पहले जम्मू में श्री माता वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज को बंद किया। अब उत्तर प्रदेश की जौहर यूनिवर्सिटी को ध्वस्त किया जा रहा है।

भाजपा और आरएसएस के जो अवैध भवन बने हैं उसकी जांच हो

उन्होने कहा कि सरकार द्वारा कारीडोर के नाम पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में सैंकड़ों पेड़ काट दिए गए, उसकी हरियाली खत्म कर दी गयी जिस पर एनजीटी ने जुर्माना भी लगाया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा है कि योगी जी प्रदेश में जो कार्यालय, जिलो-जिलों में भाजपा और आरएसएस के जो भवन बने हैं उसकी जांच कराइये। जिन भवनों के नक्शे नहीं पास हैं उन पर बुलडोजर कब चलायेंगे। प्रेसवार्ता में मुख्य रूप से मीडिया विभाग के चेयरमैन-पूर्व मंत्री डॉ0 सीपी राय, पूर्व विधायक अखिलेश प्रताप सिंह, पूर्व विधायक संजय कपूर, पूर्व एमएलसी ओम प्रकाश तिवारी, पूर्व विधायक इन्दल रावत, प्रवक्ता डॉ. उमा शंकर पाण्डेय, अंशू अवस्थी, डा. अलीमुल्ला खान, सचिन रावत, अरशद आजमी, अरशद खुर्शीद, मो. शमीम मौजूद रहे।

परीक्षा प्रणाली को फिर से बनाने की ज़रूरत : राहुल

» 'छात्रों की गूंज' में लोस नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि पेपर लीक की वजह से कई परिवारों को बहुत दुख पहुंचा है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि छात्रों की सुरक्षा और माता-पिता को न्याय दिलाने के लिए परीक्षा प्रणाली को फिर से बनाने की ज़रूरत है।

एक्स पर एक पोस्ट में गांधी ने रिया के पिता के साथ हुई अपनी बातचीत का जिक्र किया। रिया एक छात्रा थी जिसने कथित तौर पर नीट पेपर लीक विवाद के बाद आत्महत्या कर ली थी। गांधी ने कहा कि यह घटना कई परिवारों के दुख को दिखाती है। गांधी ने लिखा रिया के पिता, राजेश जी, अपनी बेटी को खोने के बाद इतने टूट गए थे कि उन्हें देखने वाले हर व्यक्ति की आँखों में आँसू आ गए। यह सिर्फ़ एक परिवार का दुख नहीं है। पेपर लीक ने ऐसे कई परिवारों से उनके बच्चों को छीन लिया है। उन्होंने कहा कि हर नाम के पीछे एक माँ और एक पिता हैं - जिनके लिए अब कोई कल नहीं है। इस सिस्टम को शुरू से बनाना होगा जहाँ बच्चों को तनाव नहीं, बल्कि सुरक्षा मिले। और माता-पिता को उनके त्याग का फल मिलना चाहिए आँसू नहीं। कांग्रेस नेता ने यह बात देहरादून में अपने छात्रों की गूँज कार्यक्रम के दौरान रिया के पिता से बातचीत के बाद कही।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

आने वाली पीढ़ियों को अनपढ़ बनाना चाह रही भाजपा : संजय

» आप सांसद बोले- स्थापित विश्वविद्यालयों को राजनीतिक द्वेष के चलते नष्ट किया जा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण के आदेश पर कड़ी प्रतिकि या दी है। संजय सिंह ने लखनऊ में जारी एक बयान में कहा कि मोदी और योगी सरकार देश की आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा से वंचित कर उन्हें अनपढ़ बनाए रखना चाहती है। एक तरफ बुनियादी शिक्षा खत्म की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थापित विश्वविद्यालयों को राजनीतिक द्वेष के चलते नष्ट किया जा रहा है।

सांसद संजय सिंह ने जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण के आदेश को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह कार्रवाई दर्शाती है कि सरकार को शिक्षा और ज्ञान के केंद्रों से कितनी नफरत है। जिस देश में शिक्षा को बढ़ावा मिलना चाहिए, वहां राजनीतिक प्रतिशोध के कारण एक विश्वविद्यालय को तोड़ने की तैयारी की जा रही है। यह सिर्फ एक इमारत गिराने का मामला नहीं है, बल्कि यह उन हजारों छात्रों के भविष्य पर हमला है जो वहां शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं या करने वाले थे।

संजय सिंह ने देश भर में शिक्षा के गिरते स्तर और बंद होते स्कूलों का आंकड़ा पेश करते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने बताया कि मौजूदा शासनकाल में देश के लगभग 1 लाख सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं, जो सरकार की शिक्षा विरोधी नीति का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार का एजेंडा स्कूलों को सुधारना नहीं बल्कि उन्हें ताले में बंद करना है ताकि गरीब का बच्चा कभी पढ़-लिख न सके और उनके अंधभक्तों की फौज में शामिल हो जाए।

महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पर छिड़ेगा सियासी रण

एनडीए सरकार मानसून सत्र में लाएगी बिल

» बिल को किसी भी कीमत पर पास न होने देने का विपक्ष का प्रण
» शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस का पुरजोर विरोध का फैसला
» चिदंबरम ने डीएमके व एनसीपी-एसपी ने कहा समर्थन न करे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी मॉनसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल ला सकती है। इसको लेकर सियासी हलचल तेज हो गई। जहां एनडीएए व उसके सहयोगी उसे पास करवाने को तैयार है वहीं इंडिया गठबंधन इसके खिलाफ। कांग्रेस व शिवसेना यूबीटी इसके पुरजोर विरोध में वहीं महाराष्ट्र की अन्य पार्टी एनसीपी-एसपी ने कुछ शर्तों के साथ समर्थन देने की बात कही। इस बीच केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने आगामी मॉनसून सत्र में महिला आरक्षण और परिसीमन बिल पास होने का दावा किया है।

उन्होंने कहा कि एनडीए के पास अब सदन में स्पष्ट बहुमत और संख्या बल है, जो पिछले सत्र में विपक्ष के विरोध के कारण नहीं मिल पाया था, जिससे 29 लोकसभा चुनावों से महिलाओं को आरक्षण मिल सकेगा। अठावले ने कहा कि पिछले संसद सत्र में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विरोध के कारण संविधान संशोधन बिलों को जरूरी समर्थन नहीं मिल पाया था। उधर इस मुद्दे पर पूर्व गृहमंत्री पी चिदंबरम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि बीजेपी 131वां संविधान संशोधन बिल फिर से लाने की योजना बना रही है, जो अप्रैल 26 में संसद के पिछले सत्र में पास नहीं हो पाया था। उन्होंने कहा कि उस बिल का मकसद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करना था, लेकिन असल मकसद परिसीमन और शायद चुनाव क्षेत्रों में हेर-फेर (जेरीमेंडरिंग) का रास्ता बनाना था।

इसबार राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं : अठावले

अठावले ने कहा कि तब से राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं, जिससे सत्ताधारी गठबंधन के पास कानून पास कराने के लिए जरूरी संख्या बल आ गया है। उन्होंने कहा कि अब एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले सत्र में महिला आरक्षण बिल पेश किया जाएगा और महिलाओं को 2029 के लोकसभा चुनावों में आरक्षण मिलेगा। चुनाव सुधारों की जरूरत पर जोर देते हुए अठावले ने कहा कि परिसीमन हर 30-35 साल में किया जाता है। परिसीमन जरूरी भी है। महाराष्ट्र के नेता ने कहा कि हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एनडीए की स्थिति को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास दो-तिहाई बहुमत है। महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल पास हो जाएंगे।

एनसीपी-एसपी व डीएमके न करे समर्थन : चिदंबरम

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने आरोप लगाया है कि बीजेपी 131वें संविधान संशोधन विधेयक के लिए एनसीपी (एसपी) और डीएमके का समर्थन पाने का प्रयास कर रही है, जिसका असली मकसद महिला आरक्षण की बजाय परिसीमन और चुनाव क्षेत्रों में हेरफेर करना है। उन्होंने इन पार्टियों से इस विधेयक का समर्थन न करने की अपील की, चेतावनी देते हुए कि यह राज्यों के अधिकारों को कमजोर करेगा और उनकी पिछली स्थिति के साथ विश्वासघात होगा। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने आरोप लगाया कि बीजेपी प्रस्तावित 131वें संविधान संशोधन विधेयक के लिए समर्थन पाने के लिए एनसीपी-एसपी व डीएमके से संपर्क कर रही है। उन्होंने इन दोनों पार्टियों से इस कानून का समर्थन न करने की अपील की। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि विधेयक के नए वर्शन का समर्थन करना उस अंतरात्मा के साथ धोखा होगा, जिसने इन दोनों क्षेत्रीय पार्टियों का मार्गदर्शन तब किया था जब इस साल की शुरुआत में इसी तरह के प्रस्ताव पर बहस हुई थी। चिदंबरम ने तर्क दिया कि संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है, इसलिए इस विषय पर नया बिल लाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इसलिए, महिलाओं को आरक्षण देने के लिए किसी नए बिल की न तो पहले जरूरत थी और न ही अब है। यह आरोप लगाते हुए कि स कानून के लिए ज्यादा राजनीतिक समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है, चिदंबरम ने कहा कि टीएमसी में फूट डालने के बाद, खबर है कि बीजेपी अब एनसीपी(एसपी) और डीएमके को अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है, ताकि उस नाकाम बिल के नए वर्शन को मंजूरी दिलाने के लिए जरूरी वोट जुटा सके। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने आगे दावा किया कि मौजूदा फॉर्मूले के तहत होने वाले परिसीमन से उन राज्यों को अनुचित नुकसान होगा, जिन्होंने राष्ट्रीय जनसंख्या नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया है और जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित किया है। उन्होंने कहा कि आक्रामक होती बिल के खिलाफ राज्यों के अधिकारों की पुरजोर रक्षा की जानी चाहिए।

एकतरफा फैसला मंजूर नहीं : राउत

शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने गुरुवार को कहा कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या में बड़ी बढ़ोतरी करने वाले किसी भी प्रस्ताव के लिए सभी राजनीतिक दलों के साथ व्यापक चर्चा की जरूरत होगी। राउत ने विपक्षी इंडिया गठबंधन के एकजुट रुख पर जोर देते हुए कहा कि वे सत्ताधारी सरकार के किसी भी एकतरफा कदम का विरोध करेंगे। राउत ने कहा कि संसदीय सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी के किसी भी प्रस्ताव पर सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा के बाद ही विचार किया जा सकता है। इंडिया गठबंधन का कोई भी दल-चाहे वह शिवसेना (यूबीटी) हो, कांग्रेस हो या एनसीपी-अकेले कोई फैसला नहीं लेगा। परिसीमन विधेयक पर कोई भी फैसला गठबंधन के सभी सहयोगी दल मिलकर लेंगे। परिसीमन के मुद्दे के अलावा, राउत ने हाल ही में नेताओं के दल बदलने को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आलोचना की। उन्होंने दल बदलने वाले नेताओं के उन दावों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि उनके कदम संवैधानिक नियमों के मुताबिक थे। उन्होंने इन दल-बदलावों को पर्दे के पीछे की चालें बताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने वाले सांसदों की संसदीय सदस्यता जा सकती है। राउत ने कहा कि मैं उन दावों को पूरी तरह खारिज करता हूं कि पार्टी बदलने वाले नेताओं ने सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। इस तरह के दल-बदलाव गैर-कानूनी प्रक्रियाओं के जरिए किए जाते हैं और कानून के खिलाफ हैं। ऐसे हालात में अपनी पार्टी छोड़ने वाले सांसदों की संसदीय सदस्यता आखिरकार चली जाएगी।

निष्पक्ष है तो विरोध नहीं, पर दक्षिण का नुकसान न हो : सुले

एनसीपी(एसपी) की लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह के साथ हुई अपनी और विपक्षी दलों के अन्य सदस्यों की बैठक के बारे में जानकारी दी। खबरों के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने संसद में बिल पास कराने का रास्ता खोजने और मुख्य विपक्षी दलों के साथ बातचीत की शुरुआत करने के मकसद से इस बिल से जुड़े व्यावहारिक फॉर्मूले पर चर्चा की थी। सुप्रिया सुले ने बताया कि उनके साथ-साथ लोकसभा सांसद और ग्रुप लीडर अरविंद सावंत और MIM लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी को भी दिल्ली में बैठक के लिए बुलाया गया था, जिसमें लोकसभा सांसद और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने उन्हें बिल के बारे में जानकारी दी। सुप्रिया सुले ने बताया कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने आबादी के आधार पर सीटें बढ़ाने के बजाय, संबंधित राज्यों की मौजूदा लोकसभा सीटों को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है। बैठक में अमित शाह ने बताया कि उन्होंने परिसीमन बिल को लेकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और DMK के साथ अलग-अलग बैठकें की थीं, जिनमें अलग-अलग राय सामने आईं। NCP (SP) के लोकसभा सांसद ने कहा कि हम संबंधित राज्यों की आबादी के आधार पर सीटों की संख्या बढ़ाने के खिलाफ हैं, क्योंकि इससे दक्षिणी राज्यों के साथ अन्याय होगा। परिसीमन बिल का समर्थन करने पर अंतिम फैसला INDIA गठबंधन के सदस्यों के साथ चर्चा के बाद लिया जाएगा।

कांग्रेस का पुरजोर विरोध, विपक्ष को एकजुट रखेंगे : जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि अगर संसद के आगामी मॉनसून सत्र में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को फिर से पेश किया जाता है, तो पार्टी इसका पुरजोर विरोध करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक ऐसे उपाय के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है, जिसे पहले लोकसभा में जरूरी दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया था। कांग्रेस संसदीय रणनीति समूह की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, रमेश ने कहा कि पार्टी ने उन बिलों पर विस्तार से चर्चा की है जिन्हें सत्र के दौरान पेश किए जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पार्टी को अभी तक सरकार का आधिकारिक विधायी एजेंडा नहीं मिला है और 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक में उन्हें इसकी जानकारी मिलेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने सुना है कि गृह मंत्री परिसीमन बिल को फिर से लाने की कोशिश कर रहे हैं। 17 अप्रैल को सरकार को इस बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाया था, जो एक बड़ी हार थी। वे उस बिल को वापस लाना चाहते हैं। पार्टी का रुख दोहराते हुए रमेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का रुख हमेशा से साफ रहा है हम परिसीमन बिल का पुरजोर विरोध करेंगे और आगे भी ऐसा करते रहेंगे। हम सभी विपक्षी दलों के बीच एकता बनाए रखने की हर संभव कोशिश करेंगे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

समाज खुद फैसला न करे, व्यवस्था को होना होगा सजग

किसी के बुरे आचरण के लिए कानून द्वारा उसको सुधारने के प्रावधान हैं। पर जब समाज खुद ही अपराध करने वालों के बारे में फैसला लेने लगेगा तो अराजकता फैल जाएगी। इससे सामाजिक तानाबाना खत्म हो जाएगा। हालांकि पिछले चार पांच सालों में देश में ऐसा चलन बढ़ गया है समाज प्रशासन या पुलिस के पास न जाकर स्वयं निर्णया करने लेगा वो एक अनुचित कृत है। पर इसके पीछे सरकारी व्यवस्था की दुश्वारियां भी हो सकती हैं जिससे आम जन दूर हो जाता है। इसमें दो राय नहीं कि शराब सेवन जैसी बुराई की रोकथाम में सामाजिक स्तर पर लिए गए फैसलों की अहम भूमिका रहती है। यह भी सच है कि शराबबंदी को लेकर समाज व समूह के स्तर पर लगाई जाने वाली पाबंदियां शराब के दुष्परिणामों से बचाने की दिशा में अहम हैं। शिक्षा के प्रसार और समझाइश के आधार पर इस तरह की पाबंदी लागू भी की जानी चाहिए। लेकिन जब सामाजिक स्तर पर लगाए गए प्रतिबंधों की पालना न करने पर अपने स्तर पर सजा देना शुरू हो जाए तो कथित समाज सुधार का विद्रूप चेहरा ही नजर आता है।

राजस्थान में उदयपुर के आदिवासी इलाके में शराब पीने पर रोक के सामाजिक नियम का उल्लंघन करने पर युवक के एक पैर में रस्सी बांध कर पेड़ से उल्टा लटकाकर मारपीट की घटना को समाज सुधार के नाम पर सामाजिक आतंक ही कहा जा सकता है। सोशल मीडिया के दौर में भले ही देरी सही लेकिन ऐसी घटनाएं सामने आ ही जाती हैं। यह मामला भी करीब दो माह बाद सामने आया है। इस तरह से दी गई सजा न केवल उत्पीड़न की श्रेणी में आती है बल्कि निजी कानून-कायदों की पालना के नाम पर मानवाधिकारों के उल्लंघन को भी दर्शाता है। समाज के ठेकेदार खुद को ही जज और जल्लाद बनाने लग जाएं तो चिंता होना स्वाभाविक है। यह घटना कोई अकेली नहीं। कभी प्रेमी युगल से मारपीट करने तो कभी चोरी में लिप्तता स्वीकार कराने के लिए निर्दोष से मारपीट करने, अपराधी को पुलिस के हवाले करने के बजाए खुद कानून हाथ में लेकर सजा देने जैसी घटनाएं आए दिन सामने आती रहती हैं। कभी-कभी तो भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या तक कर दी जाती है। पुलिस व प्रशासन के समय रहते दखल नहीं करने से भी ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं। इस तरह के मामलों में जरा सी भी सुस्ती किसी बड़े घटनाक्रम को अंजाम देने वाली हो सकती है। सामाजिक नियमों को हिंसा के माध्यम से लागू करने के तरीकों को तो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए।

जब समाज खुद ही अपराध करने वालों के बारे में फैसला लेने लगेगा तो अराजकता फैल जाएगी। इससे सामाजिक तानाबाना खत्म हो जाएगा। हालांकि पिछले चार पांच सालों में देश में ऐसा चलन बढ़ गया है समाज प्रशासन या पुलिस के पास न जाकर स्वयं निर्णया करने लेगा वो एक अनुचित कृत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खतरनाक वायरसों से निपटेगी एआई निर्मित वैक्सीन

मुकुल व्यास

हंता वायरस और इबोला जैसे खतरनाक वायरसों के मामले सामने आने के बाद लोगों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक समग्र और प्रभावी वैक्सीन का विकास बहुत आवश्यक हो गया है। अभी दशकों से वैज्ञानिक वैक्सीन के विकास में ज्यादातर एक ही पैटर्न का अनुसरण करते आ रहे हैं। जब एक खतरनाक वायरस सामने आता है तो वैज्ञानिक उसे पहचान कर एक वैक्सीन बनाते हैं। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं को अब लगता है कि उन्होंने शायद वैक्सीन विकास के उस मॉडल को उलटने का एक तरीका ढूंढ़ लिया है। एक समग्र वैक्सीन की तलाश कर रहे वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से एक वैक्सीन डिजाइन की है। शोधकर्ताओं का दावा है कि दुनिया में पहली बार एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई पूरी तरह से नई वैक्सीन में कई तरह के वायरस के खिलाफ काम करने और दुनिया को भविष्य में होने वाली महामारी से बचाने की क्षमता है। इस वैक्सीन ने शुरुआती मानव सुरक्षा परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे उम्मीद जगी है कि भविष्य की वैक्सीन न सिर्फ जाने-पहचाने वायरसों से बल्कि उनके नए वेरिएंट और उन रोगाणुओं से भी बचा सकती हैं जो अभी सामने आने वाले हैं। यह सफलता एक ऐसी टेक्नोलॉजी पर आधारित है जो एआई का इस्तेमाल करके एक ऐसी तत्व को डिजाइन करती है जिसे शोधकर्ता 'सुपर-एंटीजन' कहते हैं। यह वैक्सीन का मुख्य हिस्सा है जो इम्यून सिस्टम को संक्रमण को पहचानने और उससे लड़ने के लिए प्रशिक्षित करता है। किसी एक वायरस की किस्म को लक्षित करने के बजाय, इस टेक्नोलॉजी का उद्देश्य वायरस के पूरे परिवारों से सुरक्षा प्रदान करना है। अभी प्रचलित वैक्सीन आमतौर पर वायरस के मौजूदा संस्करण का इस्तेमाल करके बनाई जाती हैं। नि:संदेह इस तरीके से लाखों जानें बची हैं, लेकिन इस विधि की कुछ कमियां भी हैं। इन्फ्लूएंजा और सार्स-कोव-2 जैसे वायरस लगातार परिवर्तित होते रहते हैं, जिससे विज्ञानियों को नए स्ट्रेन के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए वैक्सीन को बार-बार अपडेट करना पड़ता है। कैम्ब्रिज टीम ने एक अलग रास्ता अपनाया। दुनिया भर के निगरानी कार्यक्रम से इकट्ठा किए गए आनुवंशिक डेटा का इस्तेमाल करके शोधकर्ताओं ने विभिन्न कोरोनावायरस से मिली जानकारी को मशीन-लर्निंग सिस्टम में डाला। एआई ने वायरस के फीचरों का विश्लेषण किया और उन तत्वों की पहचान की

जिनके रोगाणुओं के विकसित होने पर बदलने की संभावना सबसे कम थी। फिर टीम ने एक एंटीजन डिजाइन किया जो किसी एक खास स्ट्रेन के बजाय कई तरह के मिलते-जुलते वायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स उत्पन्न कर सकता है। पहले मानव परीक्षण में 39 स्वस्थ वॉलंटियर शामिल थे और इसे खास तौर पर यह पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया था कि वैक्सीन सुरक्षित है या नहीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि वैक्सीन ने कई प्रकार के कोरोनावायरस के खिलाफ इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किया। वॉलंटियर ने सार्स और उससे जुड़े बैट कोरोनावायरस के खिलाफ भी इम्यून रिस्पॉन्स पैदा किए, जिनके बारे में वैज्ञानिकों का मानना है कि वे भविष्य में जानवरों से इंसानों में आ सकते हैं। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चेताया है कि अब तक देखा गया इम्यून रिस्पॉन्स मामूली रहा है और असल दुनिया में सुरक्षा के बारे में कोई भी नतीजा निकालने से पहले बहुत बड़े अध्ययन की जरूरत है। वैज्ञानिकों का एक अन्य दल वायरसों को लक्षित करने के लिए साउंड वेव का इस्तेमाल कर रहा है। ये साउंड वेव मेडिकल स्कैन में पहले से इस्तेमाल हो रही हैं। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोगों में वैज्ञानिकों ने दिखाया है कि किस तरह अल्ट्रासाउंड के ब्लास्ट इन्फ्लूएंजा ए और सार्स-कोव-2 को विखंडित कर सकते हैं, जो कोविड-19 का कारण बनता है। प्रयोग से पता चला है कि अल्ट्रासाउंड वेव से होने वाले सूक्ष्म कंपन वायरस के कणों के आसपास की झिल्लियों को तोड़ने के लिए काफी हैं, जिससे वायरस निष्क्रिय हो जाते हैं। बाजील में साओ पाउलो यूनिवर्सिटी की एक टीम ने इस रिसर्च का नेतृत्व किया है। टीम में शामिल वैज्ञानिकों को यकीन है यह तरीका एक दिन ऐसे वायरस के लिए एंटीवायरल और केमिकल डिसइंफेक्टेंट का विकल्प बन सकता है, जिनकी बाहरी झिल्ली कमजोर होती है। ये प्रयोग अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली अल्ट्रासाउंड मशीनों के साथ किए गए, जिसमें वायरस 3-2० मेगाहर्ट्ज रेंज में अल्ट्रासाउंड फ्रीक्वेंसी के संपर्क में आए। शोधकर्ताओं ने भौतिक बदलावों के स्नैपशॉट लिए और फिर टेस्ट किया कि क्या ट्रीट किए गए सार्स-कोव-2 सैंपल अभी भी मेजबान कोशिकाओं के लैब मॉडल को संक्रमित कर सकते हैं। वायरस की बाहरी परत के नष्ट होने के साफ सबूत मिले और इसके बाद सार्स-कोव-2 की मॉडल मेजबान कोशिकाओं को संक्रमित करने की क्षमता तेजी से

दुनिया के लिए सबक यूरोप की असामान्य गर्मी

ज्ञानेंद्र रावत

मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं।

ग्लोबल वार्मिंग ने दुनियाभर में कहर ढाना शुरू कर दिया है। इसके कारण जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो गई है। अब तापमान वैश्विक औसत की तुलना में दोगुनी गति से बढ़ रहा है। इसके चलते लंबे समय तक चलने वाली हीटवेव की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। यूरोप की भीषण गर्मी इस बात की चेतावनी है। यूरोप की इस गर्मी को 'हीट डोम' कहें, 'हीटवेव' कहें या फिर उसे 'ओमेगा हीटवेव' की संज्ञा दी जाए, हकीकत यह है कि यूरोप भीषण गर्मी के साये में झुलस रहा है। यूरोप के कई देश 1970 के दशक की तुलना में दो महीने अधिक 'हीट स्ट्रेस' का भीषण असर झेल रहे हैं। इसके लिए ग्लोबल वार्मिंग और जीवाश्म ईंधन जिम्मेदार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार यूरोप महाद्वीप के कई हिस्सों में हीट डोम बना हुआ है, जिससे भीषण गर्मी पड़ रही है। सूरज की गर्मी हर दिन इसमें वृद्धि करती है। नतीजतन, बारिश और ठंडी हवाएं भी राहत नहीं दे पातीं। हीट डोम बहुत ही धीमी गति से आगे बढ़ते हैं। इससे लोग लंबे समय तक गर्मी झेलने को मजबूर होते हैं। इस समय फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और इटली की सरकारों ने रेड अलर्ट जारी किया हुआ है। पूरे स्पेन में गर्मी का अलर्ट है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भीषण गर्मी के चलते अभी तक 3700 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। स्थानीय अधिकारियों की मानें तो आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी हो सकती है। फ्रांस के अधिकांश हिस्सों में हाई अलर्ट है। वहां के 54 विभागों में रेड अलर्ट है। यहां 1947 के बाद इस बार भीषण गर्मी देखी गई है। हालात इतने खराब हैं कि गर्मी से राहत पाने की कोशिश में वहां जलाशयों व नदियों में गए तकरीबन 40 से ज्यादा लोगों की डूबने से मौत हो चुकी है। एफिल टावर के पास ट्रोकाडेरो फाउंटेन में गर्मी से राहत पाने के लिए लोग कूदते देखे गए हैं। यही नहीं, वहां घरों में रहने वाले 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतों की तादाद सबसे ज्यादा, यानी 91 फीसदी है। बेल्जियम और नीदरलैंड में भी सबसे ज्यादा 85 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की मौतें हुई हैं।

यह हालात की भयावहता का जीता-जागता सबूत है। इन हालातों ने स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों को बढ़ा दिया है। परिवहन सुविधाओं पर भी काफी दबाव पड़ा है। लोग मानने लगे हैं कि अब ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को गंभीरता से लेने का समय आ गया है। विशेषज्ञों के अनुसार यूरोप में गर्मी के रिकॉर्ड टूट सकते हैं। वैज्ञानिक इसे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक दुर्लभ मौसमी पैटर्न की संज्ञा दे रहे हैं। उनके अनुसार ओमेगा ब्लॉक के चलते यूरोप के कई देशों में तापमान रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। स्कूल बंद करने पड़े हैं। बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है और पोल्ट्री फार्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार इस असामान्य गर्मी के पीछे 'ओमेगा ब्लॉक' नामक मौसमी पैटर्न है, जिसमें उच्च दबाव का क्षेत्र ग्रीक अक्षर 'ओमेगा' के आकार का बन जाता है। यह गर्म हवा को लंबे समय तक एक ही इलाके में रोककर रखता है, जिससे अमूमन तापमान सामान्य से 18 डिग्री सेल्सियस तक अधिक हो सकता है। फ्रांस के दक्षिण-पश्चिमी शहर पिसोस में तापमान 44.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। उत्तर-पश्चिमी शहर ब्रिटनी में बिजली आपूर्ति ठप रही है। वहीं, परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को भी उत्पादन में सात फीसदी की कटौती करने को बाध्य होना पड़ा है। इसका कारण शीतलन के लिए वहां पर्याप्त पानी का अभाव था। इससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा है। वहीं, इटली में सोलह शहरों में उच्च स्तर का हाई अलर्ट जारी करना पड़ा है। ब्रिटेन में बढ़ते तापमान के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ा। फ्रांस में कारों में अत्यधिक तापमान के कारण कई छोटे बच्चे मौत के मुंह में चले गए। यहां के ब्रिटनी और पेज दे ला लोआर इलाके के अनेक पोल्ट्री फार्मों में अत्यधिक गर्मी से लाखों पक्षियों की मौत हो गई। दरअसल, अध्ययनों ने एक साल पहले ही चेता दिया था कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण तीन गुना अधिक भीषण गर्मी पड़ने की आशंका है। नेचर रिव्यू अर्थ एंड एनवायरमेंट में प्रकाशित किंग्स कॉलेज के अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार, स्वस्थ और युवा वयस्कों को बढ़ती गर्मी के चलते होने वाली कठिनाई की सीमा तीन गुना होने की संभावना व्यक्त की गई थी। अध्ययनकर्ताओं ने चेतावनी दी थी कि जिन क्षेत्रों में अत्यधिक गर्मी जैसे हालात होंगे, वहां वृद्ध लोगों को गर्मी से 35 फीसदी अधिक खतरा होगा। अध्ययनकर्ता प्रोफेसर टॉम मैथ्यूज के अनुसार, यदि वैश्विक तापमान में वृद्धि निर्धारित मानक के अनुपात में दो डिग्री तक पहुंच जाती है तो इसके घातक परिणाम होंगे। इससे वृद्ध लोगों को झुलसाने वाली गर्मी की सीमाएं बढ़ेंगी। वहीं, इससे युवा आने वाले समय में अधिक जूझते नजर आएंगे। शोधकर्ताओं का दावा है कि असहनीय गर्मी में शरीर का मुख्य तापमान छह घंटे के भीतर 47 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ जाता है। यह स्थिति खतरनाक हो सकती है। सरकारों को अब ग्लोबल वार्मिंग

नींबू पानी

नींबू पानी विटामिन सी का उत्कृष्ट स्रोत है। यह इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है और शरीर में मौजूद विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है। नींबू पानी पीने से पाचन सही रहता है और त्वचा भी स्वस्थ बनी रहती है। अगर आप गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचना चाहते हैं तो नींबू पानी एक बेहतरीन विकल्प है। वहीं डिहाइड्रेशन या इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए नींबू पानी का सेवन करें।

भीषण गर्मी में ये जूस और पानी जरूर पीना चाहिए

गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी होता है। इस समय लोग अक्सर गन्ने का जूस, नींबू पानी और नारियल पानी का सेवन करते हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि इनमें से कौन सा पेय शरीर के लिए सबसे फायदेमंद है। दरअसल, आपको ये जानने की जरूरत है कि हर ड्रिंक में अलग-अलग पोषक तत्व और फायदे छिपे होते हैं। तो आपके लिए गर्मियों में सबसे सही विकल्प कौन सा है और किन परिस्थितियों में कौन सा बेहतर है। क्योंकि अगर आप सही समय पर सही ड्रिंक पिएंगे तो इसका पूरा फायदा आपके शरीर को मिलेगा।

नारियल पानी

नारियल पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं। यह शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और गर्मी से होने वाली थकान और कमजोरी को कम करता है। लंबे समय तक बाहर रहने या व्यायाम के बाद नारियल पानी पीना शरीर को तरोताजा करता है और ऊर्जा बनाए रखता है। इसलिए सुबह या दोपहर में हाइड्रेशन के लिए नारियल पानी पिएं।

आंवला जूस

एक गिलास पानी में 2 चम्मच आंवला जूस मिलाएं और पी लें। आंवला जूस में विटामिन सी होता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। आप आंवला जूस को दिन के किसी भी समय पी सकते हैं। लेकिन अगर सुबह खाली पेट आंवला जूस पिया जाए, तो इससे ज्यादा लाभ मिल सकता है।

गुलाब जूस

पानी में गुलाब का जूस मिलाकर पीना भी फायदेमंद होता है। इसके लिए आप एक गिलास पानी लें। इसमें 2 चम्मच गुलाब का जूस डालें और पी लें। रोज सुबह या शाम को इस पानी को पीने से आपको ताकत मिलेगी। गुलाब का जूस पीने से शरीर में ठंडक बनी रहेगी। साथ ही, पानी की कमी से भी बचाव होगा। अगर आप रोजाना गुलाब का जूस पिएंगे, तो इससे आपकी बॉडी पूरे दिनभर हाइड्रेटेड बनी रहेगी। आप गुलाब का जूस मार्केट से खरीद सकते हैं या फिर घर पर भी बना सकते हैं।

गन्ने का जूस

गन्ने का जूस शुगर और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है। यह शरीर को तुरंत ऊर्जा प्रदान करता है और थकान या कमजोरी महसूस होने पर तुरंत राहत देता है। गर्मियों में लंबे समय तक बाहर रहने या काम करने के दौरान गन्ने का जूस शरीर को ताजगी और ऊर्जा बनाए रखने में मदद करता है। इसिलए तुरंत ऊर्जा चाहिए तो गन्ने का जूस लें। डायबिटीज यानी मधुमेह के कई रोगी शुगर का मात्रा अधिक होने के कारण गन्ने का जूस पीने से परहेज करते हैं। लेकिन गन्ने के जूस में पाया जाने वाला आइसोमाल्टोज नामक पदार्थ ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में काफी मददगार होता है। गन्ने के जूस में भरपूर मात्रा में डाइट्री फाइबर पाया जाता है। जिसके चलते खाली पेट गन्ने के जूस का सेवन करने से वजन तेजी से कम होने लगता है। वहीं एलोवेरा ठंडा होता है, इसलिए गर्मियों में एलोवेरा का जूस पीना लाभकारी होता है। एलोवेरा में विटामिन ए, सी और ई पाए जाते हैं। इसके अलावा, एलोवेरा में कैल्शियम, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम और फोलिक एसिड भी होते हैं।

हंसना मना है

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो। साहब: तुम्हें शरम नहीं आती, रोड पर खड़े होकर भीख मांगते हो, भिखारी: अब तुझे एक रूपये मांगने के लिए ऑफिस खोलू क्या?

जब व्यक्ति के साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाया, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल चला रहा है, इसे कहते हैं रिसायक्लिंग।

पत्नी: आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति: क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से: तुम्हें पता है कि मै तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति: नहीं.. बताओ तो जरा.. पत्नी: जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

गुरुजी - बच्चों, मुझे बताओ कि पहले जिस जगह का नाम मद्रास था, अब उसे किस नाम से जाना जाता है? बच्चा- चैन्नई? गुरुजी -बिलकुल सही जवाब? अब मुझे बताओ कि चैन्नई ये नाम क्यों रखा गया? बच्चा - सर, वहां के लोग लुंगी पहनते है। और लुंगी में pant की तरह चैन नहीं होती? इसलिये (चैन नहीं) चैन्नई ये नाम रखा गया?

कहानी | सबसे ज्यादा खुश पक्षी कौन?

एक कौआ अपनी जिंदगी से बहुत खुश और संतुष्ट था। एक बार वह एक तालाब पर पानी पीने रुका। वहां पर उसने सफ़ेद रंग के पक्षी हंस को देखा। उसने सोचा मैं बहुत काला हूं और हंस इतना सुन्दर इसलिए शायद हंस इस दुनिया का सबसे खुश पक्षी होगा। कौआ हंस से बोला कि तुम दुनिया के सबसे खुश प्राणी हो। हंस बोला मैं भी यही सोचा करता था जब तक कि मैंने तोते को न देखा था। मुझे लगता है कि तोता ही दुनिया का सबसे खुश पक्षी है क्योंकि तोते के दो खुबसूरत रंग होते है इसलिए वही दुनिया का सबसे खुश पक्षी होना चाहिए। कौआ तोते के पास गया और बोला कि तुम ही इस दुनिया के सबसे खुश पक्षी हो। तोता ने कहा कि मैं पहले बहुत खुश था और सोचा करता था कि मैं ही दुनिया का सबसे खुबसूरत पक्षी हूं। लेकिन जब से मैंने मोर को देखा है, मुझे लगता है कि वो ही दुनिया का सबसे खुश पक्षी है क्योंकि उसके कई तरह के रंग है और वह मुझसे भी खुबसूरत है। कौआ चिड़ियाघर में मोर को देखा कि सैकड़ों लोग उसे देखने आए है। कौआ मोर से बोला कि तुम दुनिया के सबसे सुन्दर पक्षी हो और हजारों लोग तुम्हे देखने के लिए आते है। मोर ने कहा कि मैं हमेशा सोचता था कि मैं दुनिया का सबसे खुबसूरत और खुश पक्षी हूं लेकिन मेरी खूबसूरती के कारण मुझे यहां पिंजरे में कैद कर लिया गया है। मैं खुश नहीं हूं और मैं यह चाहता हूं कि काश मैं भी कौआ होता तो मैं आज आसमान में आजाद उड़ता। चिड़ियाघर में आने के बाद मुझे यही लगता है कि कौआ ही सबसे खुश पक्षी होता है।

शिक्षा- हम लोग भी अपनी तुलना दूसरों से करते रहते है और हमें लगता है, कि वो शायद हम से अधिक खुश है। इस कारण हम दु:खी हो जाते है। हम उन वस्तुओं का भी आनन्द नहीं ले पाते जो हमारे पास पहले से हैं। जो नहीं है उसके पीछे भागते रहते है। इसी चक्कर में समय निकलता जाता है और बाद में आकर हम सोचते हैं कि पहले हम अधिक खुश थे। दुनिया में हर व्यक्ति के पास कुछ वस्तुएं अधिक और कुछ कम होगी इसलिए दुनिया में सबसे खुश वही जो अपने आप से संतुष्ट है।

7 अंतर खोजें

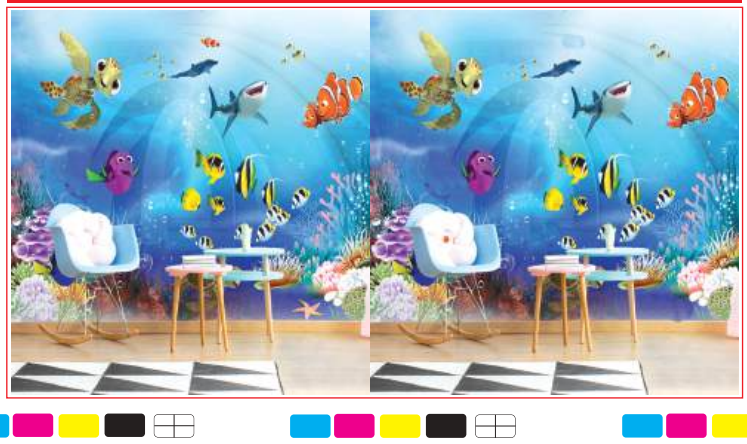

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन
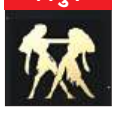
पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे।

कर्क

घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह

प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला

उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। भाग्य का साथ मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु
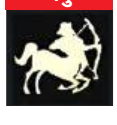
अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर

नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं।

कुम्भ

रुका धन मिलेगा। पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन

क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

अगर दोषी हूं तो सजा दो, नहीं तो क्लीन चिट दो : राज कुंद्रा

राज कुंद्रा ने एक बार फिर साल 2021 के उस विवाद को याद किया है, जिसने उनकी और उनके परिवार की जिंदगी पूरी तरह बदल दी थी। पोर्नोग्राफी केस में गिरफ्तारी के बाद पहली बार उन्होंने खुलकर बताया कि उस एक आरोप का असर सिर्फ उनकी निजी जिंदगी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्हें अपने सभी बड़े बिजनेस बंद करने पड़े। राज का दावा है कि उनके इस फैसले से करीब 4000 लोगों का रोजगार भी प्रभावित हुआ। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में राज कुंद्रा ने कहा कि जब उन्हें पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया था, तब उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उसी दिन उनकी गिरफ्तारी हो जाएगी। उनके मुताबिक, इस घटना के बाद बदनामी और कानूनी लड़ाई के बीच उन्होंने और उनकी पत्नी शिल्पा शेट्टी ने अपने सभी एक्टिव बिजनेस बंद करने का फैसला लिया। राज कुंद्रा ने बताया कि उनका निवेश कई बड़े सेक्टर्स में था। वह आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स से जुड़े रहे, मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में निवेश किया, एक होम शॉपिंग प्लेटफॉर्म शुरू किया और बेटे के नाम पर वियान इंडस्ट्रीज जैसी टेक्नोलॉजी कंपनी भी चला रहे थे। उनके मुताबिक, इन सभी बिजनेस के जरिए करीब 4000 लोग अपनी आजीविका कमा रहे थे। राज ने कहा, मुझे एक ऐसे अपराध के लिए गिरफ्तार किया गया, जो मैंने कभी किया ही नहीं। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में योगदान देने के बावजूद मुझे अपने सारे चलते हुए बिजनेस बंद करने पड़े। पुलिस ने मुझे सिर्फ बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था, लेकिन वहां पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। राज कुंद्रा ने कानूनी प्रक्रिया में हो रही देरी पर भी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि वह पिछले पांच साल से इस केस का सामना कर रहे हैं और चाहते हैं कि अब जल्द फैसला हो। उन्होंने कहा, अगर मैंने कुछ गलत किया है तो मुझे कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। लेकिन अगर मैं बेगुनाह हूं, तो मुझे सम्मान के साथ क्लीन चिट मिलनी चाहिए। मैं आज भी अपने बयान पर कायम हूं कि अगर मैं दोषी साबित हुआ तो सजा स्वीकार करूंगा।

14 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी आवारापन 2

अगस्त का महीना सिने लवर्स के लिए काफी दमदार रहने वाला है। इस महीने सिनेमाघरों में आवारापन 2 रिलीज होने वाली है। 14 अगस्त को यह फिल्म रिलीज होगी और इसी दिन सनी देओल की बंटवारा 1947 भी सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आइए, ऐसे में जानते हैं कि इमरान हाशमी ने साल 2007 में आई फिल्म आवारापन के लिए कितनी फीस वसूली थी और आवारापन 2 के लिए कितने करोड़ रुपये चार्ज किए हैं।

इमरान के साथ दिशा पाटनी भी आएंगी नजर

एक्टर इमरान हाशमी की आवारापन 2 रिलीज होने से पहले मेकर्स दर्शकों को शानदार सरप्राइज देने वाले हैं। फिल्म के मेकर्स एक बार फिर सिनेमाघरों में फिल्म आवारापन को रिलीज करने वाले हैं। आवारापन 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जहां इसका मुकाबला स्पाइडर-मैन- ब्रांड न्यू डे से होगा। दरअसल, इमरान हाशमी की आवारापन साल 2007 में रिलीज हुई थी। इस रोमांटिक क्राइम-एक्शन फिल्म का निर्देशन मोहित सूरी ने किया था। फिल्म में इमरान हाशमी के साथ श्रिया सरन भी नजर आई थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान ने इस फिल्म के लिए करीब 1.5 करोड़ रुपये फीस ली थी। इमरान हाशमी की आवारापन 2 का टीजर रिलीज हो चुका है और इसके गानों को भी दर्शकों का काफी प्यार मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आवारापन 2 के लिए इमरान हाशमी ने 10 से 12 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। फिल्म में इमरान के साथ दिशा पाटनी भी नजर आएंगी। दिशा ने इस फिल्म के लिए 5 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं

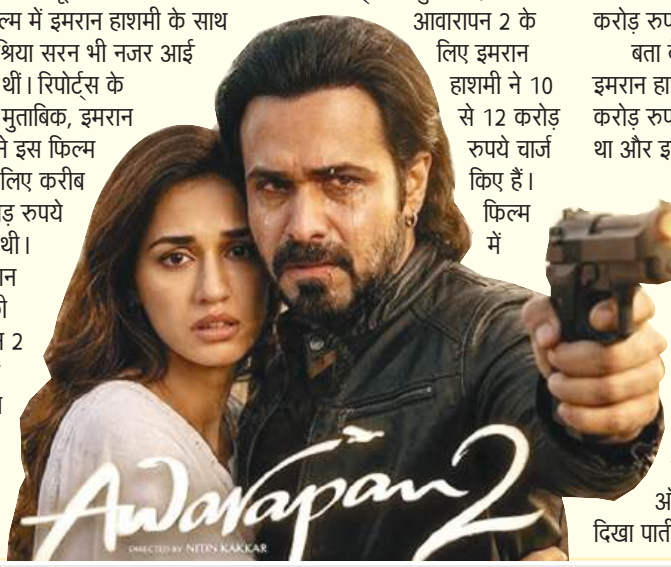

बता दें कि 19 साल पहले आई इमरान हाशमी की आवारापन को 18 करोड़ रुपये के बजट में बनाया गया था और इसने दुनियाभर में 12.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी, लेकिन समय के साथ इसे जबरदस्त पॉपुलैरिटी मिली और यह एक कल्ट क्लासिक फिल्म बन गई। अब देखना यह होगा कि आवारापन 2 बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल दिखा पाती है या नहीं।

बेटी की प्राइवेसी पर आंच आते ही भड़क गईं रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी अपने बच्चों के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। वे अपनी बच्ची अदिरा को मीडिया और लाइमलाइट से दूर रखना पसंद करती हैं, लेकिन शुक्रवार को जब पैप्स ने चुपके से बच्ची की तस्वीर खींच ली, तो एक्ट्रेस उन पर काफी नाराज नजर हुईं।

दरअसल, एक्ट्रेस रानी मुखर्जी को मुंबई एयरपोर्ट पर उनकी बेटी रिसीव करने गई थी। रानी को मुंबई एयरपोर्ट पर एक एलिगेंट स्लीवलेस ब्लैक आउटफिट पहने देखा गया, जिसके साथ उन्होंने बड़े ब्लैक सनग्लासेस पहने थे और उनके हाथों में एक ब्लू डेनिम जैकेट थी।

शुरुआत में, अभिनेत्री पैप्स को

मुस्कराते हुए पोज दे रही थी। हालांकि, थोड़ी देर बाद अभिनेत्री को अंदाजा हुआ कि फोटोग्राफर्स ने चुपके से कार के अंदर बैठी अदीरा की फोटो खींच ली है। अभिनेत्री रानी मुखर्जी तुरंत फोटोग्राफर की ओर वापस चली गईं और कैमरा चेक करने लगीं ताकि यह पक्का हो सके कि उनकी बच्ची की तस्वीर ली गई है या नहीं।

रानी ने हाथ से इशारा करते हुए फोटोग्राफरों से तस्वीरें लेना बंद करने और उनकी बेटी की प्राइवेसी का सम्मान करने को भी कहा। बता दें कि रानी मुखर्जी ने अप्रैल 2014 में इटली में एक प्राइवेट सेरेमनी में फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा से शादी की थी। कपल ने 9 दिसंबर, 2015 को अपनी बेटी का स्वागत किया था। रानी मुखर्जी और फिल्म निर्माता आदित्य चोपड़ा अपनी बेटी को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखना पसंद करते हैं।

एक्ट्रेस कई इंटरव्यू में खुलासा भी कर चुकी हैं कि अभी वे अपनी बेटी को लाइमलाइट की दुनिया से दूर परवरिश देना चाहती हैं। रानी का मानना है कि स्टार किड्स का लगातार मीडिया की नजरों में रहना, उनके विकास में बाधा बन सकता है और वे अपनी बेटी को अनावश्यक जांच से बचाकर रखना चाहती हैं।

रानी और आदित्य ने सोच-समझकर बेटी को मीडिया और पब्लिक की नजरों से दूर रखा है। वे चाहती हैं कि उनकी बेटी को जो भी पहचान मिले, वह उसकी खुद की मेहनत और योग्यता के आधार पर हो।

अजब-गजब | प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार यह गांव अब पूरी तरह से हो गया है शून्य

इस गांव को कहा जाता है भुतिया गांव

बल्लापल्ली (अन्नामय्या जिला)। तेलंगाना की सीमा के समीप आंध्र प्रदेश के अन्नामय्या जिले के तंबल्लापल्ली मंडल से ग्रामीण पलायन की एक बेहद मार्मिक और चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव और लगातार प्रशासनिक उपेक्षा के कारण पहाड़ी पर बसा ऐतिहासिक गाँव गट्टूमीदपल्ली अब पूरी तरह से जनशून्य हो चुका है। हाल ही में गाँव में डटे हुए अंतिम परिवार के भी नीचे मैदानी इलाके में विस्थापित हो जाने के बाद, यह गाँव आधिकारिक रूप से 'घोस्ट विलेज' यानी पूरी तरह वीरान बस्तियों की सूची में शामिल हो गया है।

कोसुवारीपल्ली के निकट एक ऊँची पहाड़ी पर स्थित गट्टूमीदपल्ली कभी सामाजिक जीवन और जीवंतता का प्रतीक हुआ करता था। कुछ दशकों पहले तक यहाँ त्योहारों की रौनक, खेतों में किसानों की गूँजती आवाज़ें और गलियों में बच्चों की किलकारियां आम बात थीं। पथरीली ढलानों पर कतार में बने पक्के मकान और पारंपरिक मिट्टी के घर इस बात के गवाह हैं कि यहाँ कभी एक आत्मनिर्भर समाज बसता था। लेकिन आज यहाँ सिर्फ सूनी सड़कें, ढहती दीवारें और ताले लटके बंद दरवाज़े ही शेष रह गए हैं। स्थानीय निवासी राजेन्द्र साहू बताते हैं कि भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार इस गाँव के खाली होने की सबसे प्रमुख वजह पानी का भीषण संकट रहा। पहाड़ी इलाका होने के कारण यहाँ पीने और सिंचाई के पानी की भारी किल्लत हो गई, जिससे ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य साधन यानी पारंपरिक खेती पूरी तरह प्रभावित हो गई। इसके अलावा, आधुनिक दौर में भी इस गाँव को जोड़ने के लिए कोई पक्की सड़क नहीं बन सकी। स्कूल, अस्पताल और रोजमर्रा के बाजार के लिए ग्रामीणों को हर दिन पथरीले रास्तों से होकर मीलों का सफर तय करना पड़ता था।

विकास की इसी कमी से परेशान होकर यहाँ के परिवारों ने एक-एक कर पलायन करना शुरू कर दिया। युवा पीढ़ी रोजगार और शिक्षा के लिए शहरों की ओर रुख कर गई, वहीं शेष लोग स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में नीचे के गाँवों में बस गए। गट्टूमीदपल्ली का यह वीरान होना महज़ एक भौगोलिक स्थान का खाली होना नहीं है, बल्कि वहाँ जनमी यादों और इतिहास का हमेशा के लिए ठहर जाना है जो ग्रामीण भारत में संतुलित बुनियादी विकास की आवश्यकता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

दुनिया की वो नदी, जिसमें उबल जाते हैं जानवर, पानी छूते ही जल जाएगी चमड़ी!

दुनिया में नदियों की कोई कमी नहीं है। कहीं बर्फ जैसा ठंडा पानी बहता है तो कहीं शांत धाराएं लोगों को आकर्षित करती हैं। लेकिन क्या आपने कभी ऐसी नदी के बारे में सुना है, जिसका पानी खौलता हो? यह सुनने में भले ही किसी फिल्म की कहानी जैसा लगे, लेकिन यह पूरी तरह सच है। दक्षिण अमेरिकी देश पेरू के अमेजन वर्षावन में एक ऐसी नदी मौजूद है, जिसका पानी कुछ हिस्सों में इतना गर्म हो जाता है कि उसके संपर्क में आने वाला कोई भी जीव गंभीर रूप से झुलस सकता है। इस अनोखी नदी को दुनिया भर में Boiling River या शानाय-टिम्पिश्का के नाम से जाना जाता है। यह नदी अपनी रहस्यमयी और खतरनाक विशेषताओं के कारण वैज्ञानिकों, पर्यटकों और प्रकृति प्रेमियों के बीच लंबे समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, इस नदी के कुछ हिस्सों में पानी का तापमान करीब 100 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। यानी पानी लगभग खौलने की स्थिति में होता है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति या जानवर सीधे इस पानी के संपर्क में आ जाए, तो उसकी त्वचा बुरी तरह झुलस सकती है। छोटे जीव-जंतु या पक्षी गलती से इसमें गिर जाएं तो उनके बचने की संभावना बेहद कम होती है। हालांकि पूरी नदी का तापमान हर जगह एक जैसा नहीं होता, लेकिन कई हिस्से इतने गर्म होते हैं कि वहां बेहद सावधानी बरतने की जरूरत होती है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि इस नदी के आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी मौजूद नहीं है। आमतौर पर इतनी गर्म जलधाराएं ज्वालामुखीय गतिविधियों वाले क्षेत्रों में देखने को मिलती हैं, लेकिन यहां मामला अलग है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इस नदी का पानी धरती के भीतर मौजूद भू-तापीय ऊर्जा की वजह से गर्म होता है। जमीन के अंदर मौजूद दरारों और चट्टानों के बीच से अत्यधिक गर्म पानी ऊपर आता है और नदी के पानी को लगातार गर्म करता रहता है। यही कारण है कि बिना किसी ज्वालामुखी के भी नदी का तापमान असामान्य रूप से ऊंचा बना रहता है।यह नदी पेरू के घने अमेजन वर्षावनों के बीच स्थित है। लंबे समय तक दुनिया के अधिकांश लोगों को इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। स्थानीय समुदाय सदियों से इस नदी के अस्तित्व के बारे में जानते थे और इसे विशेष महत्व देते रहे हैं। बाद में वैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र का अध्ययन किया और पाया कि यह वास्तव में पृथ्वी के सबसे अनोखे भू-तापीय स्थलों में से एक है। इसके बाद यह नदी दुनिया भर में प्रसिद्ध हो गई।

ओडिशा में पुरी रथयात्रा को लेकर मचा सियासी बवाल

» श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन ने आरोपों को किया खारिज

कांग्रेस व बीजद ने भाजपा सरकार पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर। ओडिशा में पुरी रथयात्रा को लेकर सियासी बवाल मच गया है। दरअसल यात्रा दौरान भगवान जगन्नाथ को पारंपरिक पुष्प मुकुट पहनाए बिना मंदिर से बाहर रथ तक लाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष ने इस मुद्दे को भाजपा व ओडिशा सरकार पर निशाना साधा है। विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) और कांग्रेस ने इस चूक को लेकर ओडिशा की भाजपा सरकार को घेरा है। विश्व प्रसिद्ध पुरी रथयात्रा के दौरान एक अभूतपूर्व घटना को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भगवान जगन्नाथ को उनके पारंपरिक पुष्प मुकुट ताहिया पहनाए बिना ही मंदिर से बाहर रथ तक लाया गया।

इस चूक को लेकर ओडिशा की सियासत गरमा गई है और विपक्षी दलोंबीजद और कांग्रेस ने राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा, इस बार भगवान के 'ताहिया' के बिना श्रद्धालुओं के सामने आने से लाखों भक्तों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

महाप्रभु जगन्नाथ का विग्रह बिना मुकुट के होने पर आपत्ति

भगवान जगन्नाथ को 12वीं सदी के ऐतिहासिक मंदिर से पहंडी रस्म के तहत बाहर लाया जा रहा था। आमतौर पर इस रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ, उनके भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा भव्य पुष्प मुकुट ताहिया धारण करते हैं। हालांकि, इस बार भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के विग्रहों पर तो ताहिया मौजूद था, लेकिन महाप्रभु जगन्नाथ का विग्रह बिना मुकुट के ही नजर आया।

लाखों भक्तों की धार्मिक भावनाएं आहत : भक्त चरण दास

बारिश के कारण 'ताहिया' उतार दिया था: एसजेटीए

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने कहा कि सेवकों ने विग्रह के खुले स्थान पर पहुंचने से कुछ देर पहले बारिश के कारण 'ताहिया' उतार दिया था। विपक्षी दलों ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि रथयात्रा हर वर्ष बारिश के मौसम में होती है, लेकिन सदियों पुरानी परंपरा को पहले कभी ऐसे दरकिनार नहीं किया गया।

सरकार को इस चूक के लिए माफी मांगनी चाहिए : प्रमिला मलिक

बीजद की वरिष्ठ नेता प्रमिला मलिक ने कहा कि राज्य सरकार को इस चूक के लिए करोड़ों जगन्नाथ भक्तों से माफी मांगनी चाहिए। पुरी का जगन्नाथ मंदिर ओडिशा सरकार के विधि विभाग के अधीन आता है। बीजद की वरिष्ठ नेता प्रमिला मलिक ने सीधे राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पुरी का जगन्नाथ मंदिर ओडिशा सरकार के विधि विभाग के अधीन आता है, इसलिए इस बड़ी चूक के लिए राज्य सरकार को करोड़ों जगन्नाथ भक्तों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

अकाली दल के पास आंदोलन के लिए नहीं है कोई रोडमैप : पन्नू

» आप प्रभारी शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पर बरसे

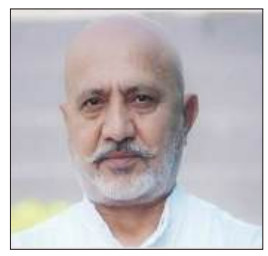

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आप ने आरोप लगाया कि शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने चुपचाप अपने प्रस्तावित धर्म युद्ध मोर्चा को छोड़ दिया है। पार्टी ने सवाल उठाया कि 19 जुलाई को आंदोलन शुरू होने से कुछ दिन पहले भी पार्टी ने किसी कार्यक्रम या तैयारी की घोषणा क्यों नहीं की। यह बात ऐसे समय में सामने आई है जब अकाली दल चुनावी हार के बाद अपना राजनीतिक आधार फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। आप पंजाब के मीडिया प्रभारी बलतेज पन्नू ने कहा कि इस घोषणा का मकसद कभी भी कोई गंभीर जन-आंदोलन खड़ा करना नहीं था, बल्कि इसका मकसद भगवंत मान सरकार के साथ राजनीतिक टकराव पैदा करना था।

उन्होंने कहा कि शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने लगभग एक महीने पहले घोषणा की थी कि पार्टी 19 जुलाई को अकाल तख्त पर मत्था टेकने के बाद मार्च शुरू करेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल दो दिन बचे होने के बावजूद, आंदोलन के लिए न तो कोई कार्यक्रम और न ही कोई रूपरेखा सार्वजनिक की गई है। पन्नू ने दावा किया कि प्रस्तावित आंदोलन का जिक्र अकाली दल की हालिया कोर कमेटी की बैठक में नहीं हुआ, जिससे संकेत मिलता है कि पार्टी चुपचाप अपने ही आह्वान से पीछे हट गई है। पन्नू ने पार्टी के इरादों पर सवाल उठाते हुए पूछा कि अगर अकाली दल तय तारीख पर आंदोलन शुरू करने को लेकर गंभीर था, तो उसने कार्यक्रम, अपनी रणनीति या नेतृत्व के बारे में जानकारी क्यों नहीं दी।

लालू की तबीयत बिगड़ी

» दिल्ली एम्स के डॉक्टरों से कराएंगे इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव शनिवार को बेहतर इलाज के लिए नई दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ले जाए जाएंगे। ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव की शिकायत के बाद उन्हें पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (आईजीआईएमएस) में भर्ती कराया गया था।राजद सांसद और लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती ने बताया कि आईजीआईएमएस में डॉक्टरों ने उनका विस्तृत स्वास्थ्य परीक्षण किया।

इलाज के बाद उनकी स्थिति सामान्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। डॉक्टरों ने उन्हें घर पर निगरानी में रहने की सलाह दी है। शनिवार को उन्हें आगे के इलाज के लिए एम्स, दिल्ली ले जाया जाएगा। बता दें कि करीब दो दशक तक 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास में रहने के बाद हाल ही में लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अपने निजी आवास, कौटिल्य नगर में शिफ्ट हुए हैं। उनका पुराना सरकारी बंगला अब बिहार सरकार के पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। इस दौरान मीसा भारती ने पटना के कौटिल्य नगर इलाके की सफाई व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में उनका परिवार हाल ही में अपने नए घर में शिफ्ट हुआ है, वहां स्वच्छता की गंभीर समस्या है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि वे इस मुद्दे को उठाती हैं तो लोग इसका अलग अर्थ निकाल सकते हैं।

एसआईआर पर चुनाव आयोग को सुप्रीम नोटिस

» पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की पीआईएल पर कार्रवाई

» कोर्ट ने एसआईआर प्रक्रिया के तहत अपील की प्रक्रिया से जुड़ी चिंताओं पर जवाब मांगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने पश्चिम बंगाल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एसआईआर कमेटी के चेयरमैन प्रसेनजीत बोस की ओर से दायर जनहित याचिका (पीआइएल पर नोटिस जारी किए।

याचिका में ट्रिब्यूनल के सामने अपील की प्रक्रिया को बेहतर बनाने, ज़रूरी डेटा का खुलासा करने, ट्रिब्यूनल द्वारा अपनाई जा रही स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर को पब्लिश करने और अपीलों के निपटारे के लिए एक समय-सीमा वाला सिस्टम बनाने के निर्देश देने की मांग की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत के चुनाव आयोग-सीईसी पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और राज्य सरकार से स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न-एसआईआर प्रक्रि या के तहत अपील की प्रक्रिया से जुड़ी चिंताओं पर जवाब मांगा।

34 लाख अपीलें पेंडिंग, सिर्फ 38,000 पर सुनवाई

याचिकाकर्ता की ओर से पेश सीनियर एडवोकेट गोपाल शंकरनारायणन ने कोर्ट को बताया कि अपीलेट ट्रिब्यूनल के सामने लगभग 34 लाख अपीलें पेंडिंग हैं, जबकि अब तक सिर्फ़ 38,000 पर ही सुनवाई हुई है। उन्होंने तर्क दिया कि इन आंकड़ों को देखते हुए कोर्ट के लिए यह ज़रूरी हो गया है कि वह अपील की प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाने के लिए निर्देश जारी करे। शंकरनारायणन ने यह भी कहा कि ट्रिब्यूनल में सुनी गई लगभग 70 प्रतिशत अपीलें मंज़ूर कर ली गई थीं, इसलिए मामलों के निपटारे में तेज़ी लाने के लिए ज़रूरी दस्तावेज़ों की एक न्यूनतम सीमा तय करना ज़रूरी है। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले स्क्रूटअपीलों से निपटने वाले ट्रिब्यूनल के लिए एक स्क्रूटबनाने का निर्देश दिया था, लेकिन उस स्क्रूटको सार्वजनिक नहीं किया गया।

इन चिंताओं में लगभग 34 लाख लंबित अपीलों का भविष्य और उन लोगों को कल्याणकारी लाभ न मिलने का आरोप शामिल है जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

राम मंदिर दान मामले में एसआईटी सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को सौंपेगी रिपोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या के राम मंदिर में दान के कथित गबन की जांच कर रही विशेष जांच टीम यानी एसआईटी सोमवार को सीधे उच्चतम न्यायालय को अपनी अंतरिम रिपोर्ट सौंप सकती है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, एसआईटी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को प्राप्त दान से संबंधित कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच को पूरी तरह अंतिम रूप देने के लिए राज्य सरकार से अतिरिक्त समय भी मांग सकती है।

यह घटनाक्रम उन याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय द्वारा सुनवाई किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है, जिनमें दान गबन की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने एसआईटी को इस मामले में जांच की स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था।

सीरीज का फाइनल मुकाबला कल, रोहित पर रहेंगी नजरें

» भारत और इंग्लैंड एक-एक मैच जीत कर सीरीज में बराबरी पर हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा वनडे मुकाबला रविवार को लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेला जाएगा। तीन मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है और अब विजेता का फैसला आखिरी मुकाबले में होगा। इस मुकाबले में खासतौर पर रोहित शर्मा के प्रदर्शन पर हर किसी की निगाहें होंगी। पिछले दो दिनों से रोहित के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगी हैं, जिन पर बीसीसीआई ने भी सफाई दी है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, रोहित शर्मा के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन बोर्ड स्तर पर इस विषय में कोई बातचीत नहीं हुई है।

मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि यह दावा पूरी तरह निराधार है कि रोहित रविवार को लॉर्ड्स में अपना अंतिम मैच खेलने वाले हैं। हालांकि रोहित को लॉर्ड्स का मैदान कुछ खास रास नहीं आता है। तीनों प्रारूप को मिलाकर रोहित ने इस मैदान पर कुल पांच मैच खेले हैं और इस दौरान उनके बल्ले से 22 की मामूली औसत से 133 रन आए हैं। रोहित शर्मा पहले वनडे मुकाबले में सिर्फ 11 रन बनाकर आउट हुए थे। वहीं, दूसरे वनडे मैच में वह 47 गेंदों का सामना करने के बाद महज 26 रन ही बना सके थे। आमतौर पर अपनी आक्रामक शैली के लिए मशहूर रोहित इस सीरीज में रन और बेहतर स्ट्राइक रेट के लिए जूझते नजर आए हैं। हालांकि, भारतीय टीम चाहेगी कि रोहित लॉर्ड्स में अपने खराब रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए तीसरे वनडे में दमदार पारी खेलें।

वॉशिंगटन सुंदर तीसरे वनडे से बाहर

मुंबई। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ निर्णायक तीसरे वनडे से पहले बड़ा झटका लगा है। ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण रविवार को लॉर्ड्स में होने वाले मुकाबले से बाहर हो गए हैं। 26 वर्षीय वॉशिंगटन सुंदर को कार्डिफ में खेले गए दूसरे वनडे में बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी। भारत की पारी के 33वें ओवर में रन लेते समय उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। फिजियो कमलेश जैन ने मैदान पर उनका उपचार किया और दाहिनी जांघ पर भारी स्ट्रैपिंग की गई। जानकारी के मुताबिक, सुंदर की हैमस्ट्रिंग चोट ऐसी है कि उन्हें पूरी तरह फिट होने के लिए कुछ सप्ताह आराम और रिहैबिलिटेशन की जरूरत होगी। यही वजह है कि वह लॉर्ड्स वनडे के लिए उपलब्ध नहीं हैं। भारत के लिए यह बड़ा झटका इसलिए भी है क्योंकि टीम पहले से ही हार्दिक पांड्या, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी जैसे तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों की चोट से जूझ रही है। ऐसे में सुंदर जैसा संतुलित ऑलराउंडर उपलब्ध नहीं होना टीम संयोजन को प्रभावित कर सकता है।

वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने पर मचा बवाल

विपक्ष ने एनडीए व मोदी सरकार पर उठाए सवाल, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा बोले- कल कमिश्नर बदला और आज ये कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जंतर-मंतर से सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल ले जाने की कार्रवाई के बाद से सियासी बवाल मच गया है। सपा, कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी , राजद, टीएमसी व सोशल मीडिया पर मोदी सरकार की आलोचना हो रही है। विपक्ष ने सरकार को घेरते हुए इसे गुंडागर्दी और तानाशाही करार दिया है।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान ने हर नागरिक को अपनी बात रखने और शांतिपूर्ण विरोध करने का अधिकार दिया है। लेकिन ऐसा लगता है कि गृह मंत्रालय इस अधिकार को खत्म करना चाहता है। दिल्ली पुलिस सीधे गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है। गृह मंत्रालय ने ही एक दिन पहले पुराने कमिश्नर को हटाकर दिल्ली के नए पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति की थी। अगर उनकी पहली बड़ी कार्रवाई शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर सख्ती करना है, तो यह चिंता की बात है. इससे लगता है कि सरकार संविधान से ज्यादा राजनीतिक आदेशों को महत्व दे रही है.

उन्होंने आगे कहा, पहले महिला पहलवानों के प्रदर्शन में कार्रवाई हुई, फिर पूर्व सैनिकों के साथ भी सख्ती की गई. अब सोनम वांगचुक और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हुई कार्रवाई से भी यही संदेश मिलता है कि सरकार शांतिपूर्ण विरोध को लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था की समस्या मान रही है. यह दुख की बात है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोकतांत्रिक अधिकारों को इस तरह दबाने की कोशिश हो रही है।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई गैर जिम्मेदाराना : शरद पवार

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार ने सोनम वांगचुक के आंदोलन को लेकर केंद्र सरकार के रवैये की आलोचना की। शरद पवार ने इस कदम को गैर-जिम्मेदाराना बताया। उन्होंने दावा किया कि सरकार छात्रों की वास्तविक मांगों पर ध्यान देने के बजाय मूकदर्शक बनी रही। शनिवार को बारामती में पत्रकारों से बातचीत में शरद पवार ने कहा कि स्थिति नियंत्रण से बाहर होने पर सरकार ने वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन उनके खिलाफ की गई कार्रवाई के बावजूद आंदोलन जारी रहेगा। दरअसल वांगचुक को दिल्ली के जंतर-मंतर पर उनकी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के 21वें दिन स्वास्थ्य बिगड़ने के बाद सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि यह कदम चिकित्सकीय सलाह और दिल्ली हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप उठाया गया। वांगचुक और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के तीन कार्यकर्ता नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और इस विवाद के कारण कथित तौर पर कुछ छात्रों की मौत के विरोध में 28 जून से कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन के समर्थन में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं।

मेरी अनुमति के बिना सोनम का कोई इलाज न किया जाए: गीतांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 21 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को दिल्ली पुलिस ने शनिवार को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया है। इस घटनाक्रम के बीच वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंग्मो ने अस्पताल प्रशासन और अधिकारियों को सख्त संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी अनुमति के बिना वांगचुक का किसी भी प्रकार का उपचार नहीं किया जाना चाहिए। गीतांजलि आंग्मो ने बातचीत में कहा कि वह अभी सफदरजंग अस्पताल में हैं और उनका पक्ष बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा कि मेरी अनुमति के बिना उन्हें कोई दवा नहीं दी जाए और न ही कोई इलाज किया जाए। मेरी सहमति के बिना कोई भी उपचार शुरू नहीं होना चाहिए और यदि इस दौरान कुछ भी अनहोनी होती है, तो इसके लिए मैं सभी को जिम्मेदार मानूंगी। वांगचुक की पत्नी ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने के पुलिस के फैसले पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को वांगचुक बिल्कुल ठीक दिख रहे थे और उन्हें अचानक अस्पताल ले जाने की कोई आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने अनुच्छेद 32 के तहत अपने अधिकारों का हवाला देते हुए कहा कि उनकी और उनके डॉक्टर की अनुमति के बिना किसी भी तरह का मेडिकल उपचार देना गलत होगा। दूसरी तरफ, दिल्ली पुलिस ने इस मामले में अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि सोनम वांगचुक को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह और दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने कहा कि यह कदम उनकी आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल के लिए उठाया गया है। इसके साथ ही पुलिस ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे लोगों से जल्द से जल्द जगह खाली करने और आंदोलन समाप्त करने का अनुरोध किया है। वहीं, अस्पताल में भर्ती होने से पहले शुक्रवार रात जारी एक वीडियो संदेश में सोनम वांगचुक ने अपना संकल्प दोहराया था। उन्होंने कहा था कि भले ही उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है, लेकिन वह अनशन जारी रखेंगे। उन्होंने जानकारी दी कि भूख हड़ताल के कारण उनके शरीर का 20 प्रतिशत हिस्सा क्षीण हो चुका है। वांगचुक ने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार युवाओं की आवाज सुने।

केंद्र सरकार भारी दबाव में है : पायलट

जयपुर। जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार को अस्पताल ले जाए जाने के दौरान थोड़ी देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बनी, जिसके बाद जंतर-मंतर और आसपास के कई हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। सोनम वांगचुक को लेकर प्रतिक्रियाओं का बाजार गर्म हो गया है। मामले पर कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी नाराजगी जाहिर की है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा, यह सरकार की पूरी तरह से गलत नीति है. सोनम वांगचुक लगभग 20 दिनों से उपवास कर रहे हैं, युवाओं के भविष्य और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर भूख हड़ताल पर हैं. फिर भी, सरकार ने न तो कोई बातचीत की, न ही कोई चर्चा शुरू की और न ही इस मामले को स्वीकार किया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा, अब, बढ़ते राष्ट्रीय प्रभाव और बढ़ते जन दबाव को देखते हुए, वे जवाबदेही से बचने के लिए उन्हें जबरन अस्पताल ले जा रहे हैं. अगर सरकार ने बातचीत शुरू की होती और उनकी मांगें मान ली होतीं तो यह कहीं बेहतर होता. उन्हें जबरन अस्पताल ले जाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सरकार भारी दबाव में है. असंतोष चरम पर है, और उन्हें जबरन अस्पताल ले जाना जन आक्रोश को कम करने के बजाय और भड़काएगा।

» सोनम वांगचुक के मुद्दे पर कांग्रेस नेता का दावा

प्रियंका चतुर्वेदी की सरकार व बीजेपी को चेतावनी-लोग ये भूलेंगे नहीं

आदित्य ठाकरे के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) की पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार को उनकी भूख हड़ताल खत्म करवाने के लिए किसी मंत्री को भेजना चाहिए था, लेकिन इसके बजाय दिल्ली पुलिस को भेज दिया गया, प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट कर सरकार को घेरा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- उनका अनशन खत्म करवाने के लिए किसी मंत्री को भेजने के बजाय सरकार ने दिल्ली पुलिस को भेजा, लोग इसे भूलेंगे नहीं। प्रियंका ने सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर चिंता भी जाहिर की और लिखा, सोनम जी, हमें आपकी जरूरत है ताकि आप आगे भी संघर्ष जारी रख सकें। हो सकता है मुझे इस बयान के लिए ट्रोल किया जाए, लेकिन फिर भी मैं कहूंगी कि सीजेपी अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिए वांगचुक को बलि का बकरा नहीं बना सकता।

बीजेपी ने एनसीपी (एसपी) व एनसीपी को एकजुट होने का दिया ऑफर

» दोनों को केंद्र में एक मंत्री पद देने पर विचार का आश्वासन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में फिर कोई बड़ा बदलाव होने वाला है? पिछले कुछ दिनों से, चतुर और अप्रत्याशित शरद पवार के बीजेपी से संपर्क साधने की चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि बीजेपी नेतृत्व एनसीपी (एसपी) को एनडीए में एक अलग पार्टी के तौर पर शामिल करने का इच्छुक नहीं है। वे चाहते हैं कि गठबंधन का हिस्सा बनने से पहले यह पार्टी सुनेत्रा पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के साथ फिर से एक हो जाए।

बीजेपी ने एनसीपी(एसपी) के अपनी पार्टी में विलय की संभावना को भी खारिज कर दिया है। बीजेपी ने एक लालच भी दिया है। अगर एनसीपी के दोनों गुट फिर से एक हो जाते हैं, तो बाद में हर गुट से केंद्र में एक मंत्री पद देने पर विचार किया जा सकता है। जब से शिवसेना और एनसीपी में फूट पड़ी है, बीजेपी महाराष्ट्र में सबसे ताकतवर पार्टी बनकर उभरी है। वह अच्छी तरह

जानती है कि एनसीपी (एसपी) को एक अलग पार्टी के तौर पर गठबंधन में शामिल करने से उसके मौजूदा सहयोगियों के बीच अस्थिरता और असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब एनसीपी (एसपी) ने संकेत दिया है कि वह परिसीमन बिल पर नरम रुख अपना सकती है, जिसे सरकार ने महिला आरक्षण कानून से जोड़ा है। संविधान संशोधन बिल का मकसद लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करना है। बीजेपी के लिए, एनसीपी (एसपी) के एनडीए में शामिल होने से वह संसद में दो-तिहाई बहुमत के करीब पहुंच जाएगी जो संविधान संशोधन बिल पास करने के लिए ज़रूरी है। यही वजह है कि नरेंद्र मोदी सरकार अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान परिसीमन बिल पास नहीं करा पाई थी।

केन-बेतवा मुआवजा में भयंकर धांधली : उमंग

नेता प्रतिपक्ष मप्र का आरोप, बोले- गांव में नहीं रहने वाले मुस्लिम परिवार के खाते में पहुंचा भुगतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। केन-बेतवा लिंक परियोजना को लेकर मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। भोपाल में पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने दावा किया कि परियोजना से प्रभावित खरिहानी गांव में एक मुस्लिम (खान) परिवार के नाम भी मुआवजा स्वीकृत किया गया, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि गांव में ऐसा कोई परिवार कभी रहा ही नहीं।

सिंघार ने सवाल उठाया कि जब संबंधित परिवार गांव का निवासी नहीं था तो उसके खाते में मुआवजा कैसे पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि खरिहानी गांव में मकानों के लिए करीब 11 करोड़ रुपये का मुआवजा स्वीकृत हुआ, लेकिन उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार लगभग 8 करोड़ रुपये ऐसे लोगों को दिए गए, जिनका गांव से कोई संबंध नहीं था या जो वर्ष 1980-90 में ही गांव छोड़ चुके थे। उनका दावा है कि आंदोलनकारियों ने दस्तावेजों के आधार पर 500 से अधिक संदिग्ध मुआवजा मामलों की पहचान की है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप

लगाया कि कई गांवों में ग्राम सभा की वैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उनका दावा है कि अलग-अलग पंचायतों के कार्यवाही रजिस्टरों में एक जैसी भाषा दर्ज है और कई बैठकों का समय भी एक जैसा दिखाया गया है। उन्होंने इसे गंभीर प्रशासनिक अनियमितता बताया। सिंघार ने दावा किया कि एक ग्राम पंचायत के कार्यवाही रजिस्टर में ऐसे व्यक्ति के हस्ताक्षर दर्ज हैं, जिसने उस समय सरपंच पद संभाला ही नहीं था। उन्होंने पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि परियोजना में पुनर्वास और भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी हुए बिना ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। उनका कहना है कि कई प्रभावित परिवारों के मकान तोड़े गए, जबकि उन्हें पूरा मुआवजा और वैकल्पिक पुनर्वास नहीं मिला।

असल प्रभावित आज भी मुआवजे से वंचित

सिंघार ने कहा कि वास्तविक आदिवासी और किसान परिवार आज भी मुआवजे और पुनर्वास का इंतजार कर रहे हैं, जबकि अपात्र लोगों को लाभ पहुंचाने के आरोप सामने आ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग की कि एक कैबिनेट बैठक परियोजना प्रभावित क्षेत्र में भी आयोजित कर प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनी जाएं।

भाजपा और निर्माण कंपनी पर भी साधा निशाना

उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि परियोजना से जुड़ी निर्माण कंपनी एनसीसी लिमिटेड ने इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए भाजपा को 600 करोड़ रुपये का चंदा दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इसी के बदले कंपनी को परियोजना का हजारों करोड़ रुपये का ठेका मिला। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और सोशल ऑडिट की मांग की।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा